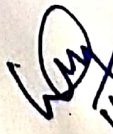


न्यायक वेगट को कब्जा चुपड़े किया जा चुका
 है। कलर: हलगत वाद में कारकी स्थिति
 जब वाद प्रेष किया गया था, उनकी अजायब
 शक्ति: परिवर्तित हो चुकी है एवं हलगत वाद
 में शक्तिहीन एवं अन्य प्रस्ताव अदि का खाली
 कारकाट बन चुका है। कलर: माननीय न्यायालय
 की अनुपालना में असाधी सं-1 एवं अन्य
 को कब्जा दिलवाने के परिणामस्वरूप हलगत
 वाद में उनके विरुद्ध प्रस्ताव अदि को कब्जा
 कलर में बेजा मदाखलत न होने एवं इत्काल
 की कारकी न किये जाने / विकास में किसी प्रकार
 का परिवर्तन न किये जाने संबंधी अदेश अदि
 न्यायालय के हल पर जारी किया जाना मेरे
 विनम्र मत में न तो विचिन्तनीय है एवं न
 ही अंतर्हित है। कलर: वाद विधि द्वारा
 वर्जित है एवं हलगत वाद पर न्यायालय की
 राय में न्याय्य किया जाना समीचीन है। अल:
 असाधी सं-1 द्वारा प्रस्तुत 07 R11 का
 प्रारंभ एलडू द्वारा लीकाल किया आकर वादवही
 खासिय किया जाता है। फतावमी नियमानुसार वाकिल
 पदर हो नमूद से कर है।


 14/01/2020